(14) ट्रेड–मुद्रण
कक्षा–12

पाठ्यक्रम–

(क) सैद्धान्तिक

	पूर्णांक		उत्तीर्णांक	
प्रथम प्रश्न–पत्र	75	300	25	100
द्वितीय प्रश्न–पत्र	75		25	
तृतीय प्रश्न–पत्र	75		25	
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	75		25	

(ख) प्रयोगात्मक

आन्तरिक परीक्षा	200	400
वाह्य परीक्षा	200	

नोट परीक्षार्थियों को प्रत्येक लिखित प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 25 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

प्रथम प्रश्न–पत्र
(अक्षर योजना)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पाठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विशय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

(1) अक्षर योजन की विधियों का संक्षिप्त परिचय, हस्त अक्षरयोजन, यांत्रिक अक्षरयोजन तथा फोटो अक्षरयोजन।

(5) आकलन कार्यदृनिर्धारित पुस्तकें तथा पत्रिकायें लम्बाई की पंक्ति में दिये हुये माप के टाइप के ''एन'' की संख्या ज्ञात करना, पृष्ठ की लम्बाई में पंक्तियों की संख्या ज्ञात करना। कम्प्यूटर सेटिंग में एक पृष्ठ के शब्दों का आकलन।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् हैं।

(2) अक्षरयोजन के सिद्धान्तदृयोजन का माप बांधना, पाठ्य वस्तु का अक्षरयोजन, पैरा इन्डेशन, शब्दों के मध्य स्पेस लगाना, पंक्ति पूरी करना, पंक्ति के अन्त में शब्दों का विभाजन, बड़े (कैपिटल तथा स्माल कैपिटल) अक्षरों का प्रयोग, काले तथा तिरछे अक्षरों का प्रयोग। संदर्भ चिन्ह, विभिन्न प्रकार तथा उपयोग, संयुक्ताक्षर तथा उनके उपयोग, कविता तथा टेबिल सम्बन्धी अक्षरयोजन, प्रूफ उठाना, टाइप वितरण। 30

(3) प्रूफ पढ़नादृप्रूफ के प्रकार, प्रूफ वाचक तथा कॉपी धारक, प्रूफ रीडिंग चिन्ह, प्रूफ पढ़ते समय की सावधानियाँ। 15

(4) विविध अक्षरयोजन कार्य–निमंत्रण–पत्र, लेटरहेड, बिल फॉर्म, रसीदें, पोस्टर, समाचार पत्र आदि के मुद्रण हेतु अक्षरयोजन। 15

द्वितीय प्रश्न–पत्र
(मुद्रण सम्बन्धी विविध प्रक्रिया एवं मुद्रण सामग्रियाँ)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पाठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विशय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

(2) मुद्रण सामग्रियां–

3–सिलाई सामग्री धागा, तार, डोरा तथा फीता वांछनीय गुण, प्रकार एवं उपयोग।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् हैं।

(1) मुद्रण सम्बन्धी विविध प्रक्रियायें

1–ऑफसेट प्लेट लिथोग्राफी का सिद्धान्त, ऑफसेट प्लेट के उपयोग तथा उनके बनाने की सम्पूर्ण प्रक्रियायें। 15

2–डाई कार्य परिचय, डाई इम्बोसिंग, प्रिंटिंग, कटिंग तथा क्रीजिंग, डाई के विभिन्न प्रकार तथा उनके उपयोग। 15

(2) मुद्रण सामग्रियां

1–बोर्ड दफ्ती विविध प्रकार, उनके उपयोग तथा रख–रखाव। 15

2–आवरण सामग्रीृकागज, कपड़ा, ऑयल क्लॉथ, रैक्सीन, चमड़ा, सेन्थेटिक आवरण के विभिन्न प्रकार, उपयोग तथा रख–रखाव। 15

तृतीय
(प्रेस कार्य)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पाठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विशय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

3–लेटरप्रेसमुद्रण–

स्वचालित प्लेटन तथा सिलिण्डर मशीनों की सामान्य विशिष्टतायें तथा उपयोगिता।

5–ग्रेब्योर मुद्रण–

सिद्धान्त ग्रेब्योर मशीन की यांत्रिक रूप.रेखा तथा कार्य करने का संक्षिप्त विवरण।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् हैं।

1–पृष्ठायोजन (इम्पोजिशन) 20

चार, आठ तथा सोलह पृष्ठों के लिये सामान्य पृष्ठायोजन तथा बारह पृष्ठों का पृष्ठायोजन।

2–पोषण (लॉकिंग– अप) 20

मुद्रण चौकठे (चेज) में फर्मे का कसना, पाषण क्रिया में प्रयुक्त होने वाले संयंत्र एवं भरक सामग्री (फर्नीचर) आदि, कोटेशन तथा भरक सामग्री के विविध प्रकार तथा उनकी उपयोगिता, विभिन्न प्रकार के क्वायन्स तथा पोषण युक्तियाँ।

4–ऑफसेट मुद्रण 20

ऑफसेट मुद्रण का सिद्धान्तृऑफसेट सिलिन्डर मशीन की यांत्रिक रूपरेखा तथा कार्य करने का संक्षिप्त विवरण।

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
(जिल्दबन्दी तथा परिष्करण क्रियायें)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पाठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विशय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

(4) रेखण कार्य

विभिन्न प्रकार के रेखण कार्य, उपकरण एवं उपयोग, प्रयोग होने वाले यंत्रों का वर्णन।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् हैं।

(1) डिब्बाबन्दी तथा लिफाफा बनाना 20

विभिन्न प्रकार, उपयोगिता, उपकरण एवं संक्रियायें।

(2) विविध संक्रियायें 20

पंचिंग, परफोरेटिंग, आलेटिंग, इंडक्सिंग, राउण्ड कारनरिंग, लेबुल पंचिंग, क्रीजिंग आदि की उपयोगिता, उपकरण एवं सामाग्रियां।

(3) पुस्तकों की आवरण सज्जा **20**

विभिन्न प्रकार उपयोगितायें, प्रयोग होने वाले उपकरण, सामग्रियां तथा संक्रियायें।

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

(1) अक्षरयोजन कार्य–

(क) किताबी–एकल तथा बहुस्तम्भी कार्य, पेज मेकअप।

(ख) कविता सम्बन्धी कार्य।

(ग) जॉब सम्बन्धी कार्यृनिमंत्रण पत्र, विजिटिंग कार्ड, लेटर हेड, रसीदें, फॉर्म इत्यादि।

(घ) बहुरंगी कार्य हेतु टाइप मैटर का पृथक्करण।

(2) प्रूफ उठाना–प्रूफ पढ़ना तथा तद्नुसार मैटर का शोधन।

(3) वितरण कार्य।

(4) पृष्ठायोजन अभ्यास–दो, चार तथा आठ पृष्ठों का पृष्ठायोजन।

(5) पाषण एक, दो, चार तथा आठ पृष्ठों का पाषण।

(6) प्लेटन मशीन पर विविध मुद्रण कार्यों का अभ्यास–विजिटिंग कार्ड, निमन्त्रण–पत्र, विभिन्न प्रकार के फार्म, शीर्ष पत्रक (लेटर हेड)।

(7) प्लेटन पर क्रीजिंग तथा कटिंग कार्य।

(8) तार सिलाई।

(9) धागा सिलाई–विभिन्न प्रकार–खांचित सिलाई (Sewing in Sewing), फीता सिलाई (Tap Sewing), प्रगरी सिलाई (Over Sewing)

(10) कोर छपाई।

(11) कोर सज्जा ;Edge decording)

(12) कवर लगाना।

(13) केस निर्माण तथा केस लगाना।

(14) कवर सज्जाद्दस्वर्ण छपाई (Gold toling), मसिहीन छपाई।

(15) विविध स्टेशनरी कार्य।

नोट :प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है।